विशेषण *(Adjective)*

संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं। इसके चार मुख्य भेद हैं।

आधार · आरंभिक अवधारणा · अंतिम बदलाव 15 सितंबर 2026

परिभाषा

जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताए, उसे विशेषण कहते हैं।

लड़का कहने से केवल इतना पता चलता है कि कोई लड़का है। पर *होशियार लड़का* कहने से उसके विषय में एक बात और जुड़ जाती है। यही जुड़ने वाला शब्द **विशेषण** है।

जिस संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताई जाती है, उसे **विशेष्य** कहते हैं।

पहचानिए

मीठा आम — मीठा *विशेषण*, आम *विशेष्य*

चार पुस्तकें — चार *विशेषण*, पुस्तकें *विशेष्य*

विशेषण के भेद

1. गुणवाचक विशेषण

जो संज्ञा के **गुण, दोष, रंग, रूप, दशा, स्वाद** आदि का बोध कराए। यह सबसे बड़ा वर्ग है।

प्रकार	उदाहरण
गुण/दोष	अच्छा, बुरा, वीर, आलसी
रंग	लाल, हरा, श्वेत, काला
आकार	गोल, लंबा, चौड़ा, पतला
दशा	गीला, सूखा, स्वस्थ, रुग्ण
स्वाद	मीठा, खट्टा, कड़वा, नमकीन
काल	नया, पुराना, प्राचीन, आधुनिक
स्थान	भारतीय, पहाड़ी, ग्रामीण

2. संख्यावाचक विशेषण

जो संज्ञा की **संख्या** का बोध कराए। इसके दो उपभेद हैं।

निश्चित संख्यावाचक — जहाँ संख्या निश्चित हो:

> उदाहरण
>
> एक दस पहला दूसरा दुगुना चौगुना

अनिश्चित संख्यावाचक — जहाँ संख्या निश्चित न हो:

> उदाहरण
>
> कुछ कई अनेक सब थोड़े

3. परिमाणवाचक विशेषण

जो संज्ञा की **मात्रा या नाप-तौल** का बोध कराए। इसके भी दो उपभेद हैं।

निश्चित परिमाणवाचक: दो लीटर दूध, पाँच किलो चावल, एक मीटर कपड़ा

अनिश्चित परिमाणवाचक: थोड़ा पानी, बहुत दूध, कुछ चीनी

ध्यान दें

संख्यावाचक और परिमाणवाचक में अंतर पहचानना आवश्यक है। जो **गिना** जा सके, वह संख्यावाचक — *चार सेब*। जो केवल **नापा या तौला** जा सके, वह परिमाणवाचक — *थोड़ा दूध*। इसीलिए हम *चार दूध* नहीं कहते।

4. सार्वनामिक विशेषण

जब कोई **सर्वनाम** संज्ञा से पहले आकर उसकी विशेषता बताने लगे, तो वह सार्वनामिक विशेषण बन जाता है।

वाक्य	शब्द-भेद	कारण
वह जा रहा है।	सर्वनाम	संज्ञा के स्थान पर आया
वह लड़का जा रहा है।	सार्वनामिक विशेषण	संज्ञा की विशेषता बता रहा है

और उदाहरण

यह पुस्तक मेरी है।

कौन व्यक्ति आया था?

प्रविशेषण

जो शब्द **विशेषण की** विशेषता बताए, उसे प्रविशेषण कहते हैं।

वाक्य में

आम **बहुत** मीठा है। — *मीठा* विशेषण है, *बहुत* उसकी विशेषता बता रहा है।

वह **अत्यंत** सुंदर चित्र है।

विशेषण की तुलना — अवस्थाएँ

विशेषण तीन अवस्थाओं में आता है।

अवस्था	अर्थ	उदाहरण
मूलावस्था	सामान्य रूप	सुंदर, अधिक
उत्तरावस्था	दो में से एक की तुलना	अधिक सुंदर, सुंदरतर
उत्तमावस्था	सबमें श्रेष्ठ	सबसे सुंदर, सुंदरतम

वाक्य में

सीता **सुंदर** है। — मूलावस्था

सीता गीता से **अधिक सुंदर** है। — उत्तरावस्था

सीता कक्षा में **सबसे सुंदर** है। — उत्तमावस्था

विशेषण की रचना

अधिकांश विशेषण दूसरे शब्दों से बनते हैं। यह जानना उपयोगी है कि कौन-सा प्रत्यय विशेषण बनाता है:

मूल शब्द	शब्द-भेद	विशेषण
धन	संज्ञा	धनी
भारत	संज्ञा	भारतीय

मूल शब्द	शब्द-भेद	विशेषण
दया	संज्ञा	दयालु
बुद्धि	संज्ञा	बुद्धिमान
चलना	क्रिया	चालू
बिकना	क्रिया	बिकाऊ
भीतर	अव्यय	भीतरी

ध्यान दें

एक ही शब्द प्रसंग के अनुसार संज्ञा या विशेषण हो सकता है। *उसने मुझे बहुत **अच्छा** बताया* में *अच्छा* विशेषण है, पर *सदा **अच्छे** का साथ दो* में वह संज्ञा की तरह प्रयुक्त हुआ है। भेद शब्द से नहीं, प्रयोग से तय होता है।

अभ्यास

उत्तर देखने से पहले स्वयं सोचें।

“वह लड़का बहुत होशियार है।” — इसमें विशेषण और प्रविशेषण छाँटिए।

उत्तर विशेषण — “होशियार” (और “वह” सार्वनामिक विशेषण); प्रविशेषण — “बहुत”, जो विशेषण “होशियार” की विशेषता बता रहा है।

“चार सेब” और “थोड़ा दूध” — दोनों के विशेषण-भेद बताइए।

उत्तर “चार” संख्यावाचक (निश्चित), क्योंकि सेब गिने जा सकते हैं; “थोड़ा” परिमाणवाचक (अनिश्चित), क्योंकि दूध नापा जाता है, गिना नहीं जाता।

“वह जा रहा है” और “वह लड़का जा रहा है” — दोनों में “वह” का भेद बताइए।

उत्तर पहले में सर्वनाम, क्योंकि वह संज्ञा के स्थान पर आया है; दूसरे में सार्वनामिक विशेषण, क्योंकि वह संज्ञा “लड़का” की विशेषता बता रहा है।

विशेष्य किसे कहते हैं?

उत्तर जिस संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताई जाती है, उसे विशेष्य कहते हैं। “मीठा आम” में “आम” विशेष्य है।

“बुद्धि” से विशेषण बनाइए।

उत्तर बुद्धिमान।